AG Publishing House

Sustainable Tourism Development & Management for Viksit Bharat – Opportunities & Challenges

AG PH Books

Year: 2026

भारत देश का भूगोल और इतिहास विविधता से भरा है, जिसमें हिमालय से लेकर तटीय क्षेत्रों तक शामिल हैं।

वंदना परोहा[1]*, अर्पणा पांडे[1]

[1]*G. S. College of Commerce and Economics Autonomous , Jabalpur*

सारांश Abstract

यह शोध भारत के हालिया समग्र विकास का विश्लेषण प्रस्तुत करता है, जिसमें पिछले दशक की तीव्र आर्थिक वृद्धि और 2027 तक तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की संभावनाओं को रेखांकित किया गया है। Make in India, Startup India और Atmanirbhar Bharat Abhiyan जैसी पहलों ने औद्योगिक विकास और रोजगार सृजन को गति दी है। साथ ही, शिक्षा, स्वास्थ्य, बुनियादी ढाँचा, नवीकरणीय ऊर्जा और तकनीकी क्षेत्र में सुधार तथा Indian Space Research Organisation (ISRO) की उपलब्धियाँ समावेशी और सतत विकास को सुदृढ़ बना रही हैं, जबकि युवा कार्यबल और वैश्विक मंच पर सक्रिय भूमिका भारत की प्रगति को और सशक्त कर रही है।

प्रमुख कीवर्ड (झमलूवतके) : ***आर्थिक विकास, समावेशी विकास, तकनीकी प्रगति, सामाजिक कल्याण योजनाएँ, सतत विकास***

1 प्रस्तावना

भारत को अपने अतीत में "सोने की चिड़िया" के रूप में पहचाना जाता था, इसका कारण उसकी अपार समृद्धि और वैभव था, यानि भारत अपने इतिहास में एक विकसित और समृद्धशाली राष्ट्र था।

ISBN No. 978-93-7640-929-7

प्राचीन भारत में उर्वर भूमि, प्रचुर प्राकृतिक संसाधन, और विश्वभर में फैले व्यापारिक मार्ग भारत को आर्थिक रूप से बेहद संपन्न बनाते थे। यहाँ की संस्कृतियों में कला, विज्ञान, और साहित्य की भरपूर समृद्धि थी, जो विश्वभर से विद्वानों और यात्रियों को आकर्षित करती थी। भारत सोने, चांदी, मसालों, और रेशम के व्यापार का केंद्र था।

भारत की आर्थिक स्थिति

भारत एक विकासशील अर्थव्यवस्था है जो दुनिया में सबसे तेज आर्थिक विकास दर (लगभग 8.2) के साथ आगे बढ़ रहा है। भारत आज 3 ट्रिलियन डॉलर की GDP के साथ विश्व की 5 वी बड़ी इकॉनोमी बन चुका है और 2027 तक हम अमेरिका और चीन के बाद 5 ट्रिलियन डॉलर की GDP के साथ विश्व की 3 बड़ी इकॉनोमी में होंगे।

भारत की आर्थिक ताकत

- सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 2023 में भारत का जीडीपी $3.5 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर है।
- आर्थिक विकास दर 2023 में भारत की आर्थिक विकास दर 8.2 रही है जोकि पूरी दुनिया में सबसे तेज़ है।
- विदेशी मुद्रा भंडार मार्च 2023 में $600 बिलियन अमेरिकी डॉलर के करीब।
- स्टार्टअप्स भारत में 100 से अधिक यूनिकॉर्न हैं, जिनका कुल मूल्यांकन 340 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक है और यह दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम बन गया है।
- डिजिटल भुगतान यूपीआई (UPI) के जरिए मासिक 8 अरब से अधिक लेन-देन, कुल मूल्य $180 बिलियन के साथ विश्व का सबसे अधिक डिजिटल लेनदेन।
- विदेशी निवेश (FDI) 2022-23 में $83 बिलियन अमेरिकी डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश।
- रोजगार दर 2023 में बेरोजगारी दर लगभग 7.5%।
- विनिर्माण क्षेत्र मेक इन इंडिया योजना के तहत मजबूत वृद्धि, 2023 में विनिर्माण जीडीपी का 17.4%।
- सेवा क्षेत्र सेवा क्षेत्र का योगदान जीडीपी में 54%।
- कृषि उत्पादन 2022-23 में कुल खाद्यान्न उत्पादन 315 मिलियन टन से अधिक।

वंदना परोहा, अर्पणा पांडे

भारत की वर्तमान आर्थिक स्थिति

प्रमुख उद्योग और कृषि

भारत की अर्थव्यवस्था में कृषि का बहुत महत्वपूर्ण स्थान है, जहाँ लगभग 50% लोग इस पर निर्भर हैं। हालाँकि, उद्योग और सेवा क्षेत्र भी तेजी से बढ़ रहे हैं। आईटी और बीपीओ उद्योगों ने वैश्विक स्तर पर भारत की पहचान बनाई है। इसके अलावा, सोलर एनर्जी और नवाचार में निवेश से कृषि और उद्योगों में सुधार की संभावनाएं हैं।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी में भारत की प्रगति

विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में, भारत ने चंद्रयान जैसे मिशनों के माध्यम से अंतरिक्ष अन्वेषण में अपनी शक्ति का प्रदर्शन करते हुए उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। भारत के डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (DPI) ने आधार,UPI, AA स्टैक, COWIN प्लेटफ़ॉर्म और GeM जैसी पहलों के साथ प्रधानमंत्री श्री मोदी जी की अनुकरणीय राजनीति के तहत वैश्विक मान्यता प्राप्त की है, जो डिजिटल नवाचार के लिए देश की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। भारत एक वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनने की दिशा में प्रगति कर रहा है, और इसके सेवा क्षेत्र, विशेष रूप से आईटी और गैर-आईटी डोमेन में वैश्विक प्रमुखता प्राप्त की है।

- विकसित भारत 2047 का लक्ष्य, भारत को एक समृद्ध और शक्तिशाली राष्ट्र बनाने का है और सही नीतियों और विज़न के साथ इस लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है।
- विकसित भारत से तात्पर्य ऐसे भारत से है जहाँ हर क्षेत्र में समृद्धि, प्रगति और समान अवसर उपलब्ध हों। इसका अर्थ है एक ऐसा राष्ट्र:
- आर्थिक रूप से मजबूत हो – जहाँ बेरोजगारी कम हो, हर व्यक्ति को रोजगार के अवसर मिलें और देश की GDP लगातार बढ़ रही हो।
- शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएँ – उच्च गुणवत्ता की हों और सभी के लिए सुलभ हों।
- उन्नत बुनियादी ढांचा हो – जैसे अच्छी सड़कें, परिवहन, जल व बिजली आपूर्ति, डिजिटल कनेक्टिविटी आदि।
- सामाजिक समानता हो – जहाँ जाति, धर्म, लिंग या आर्थिक स्थिति के आधार पर कोई भेदभाव न हो।

- प्रौद्योगिकी और नवाचार में अग्रणी हो – जहाँ विज्ञान, तकनीक और स्टार्टअप संस्कृति का विकास हो रहा हो।
- सुरक्षित और न्यायप्रिय समाज हो – जहाँ कानून का पालन हो और हर नागरिक खुद को सुरक्षित महसूस करे।
- पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार हो – जहाँ सतत विकास को अपनाया जाए और प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण हो।
- संक्षेप में, विकसित भारत वह है जहाँ नागरिकों का जीवन स्तर ऊँचा हो, अवसर समान हों और देश वैश्विक मंच पर एक सशक्त राष्ट्र के रूप में स्थापित हो।

विकसित भारत 2047 का संकल्प क्या है

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस समय को भारत का स्वर्णकाल मानते हैं और उनके अनुसार आने वाले 30 सालों तक हमें बिना रुके लगातार काम होगा क्योंकि ये सदी भारत की सदी है और भारत को एक विकसित देश बनाने के लिए यही सबसे अच्छा समय है।

इस संकल्प का उद्देश्य और महत्व

विकसित भारत के निर्माण में हिन्दी की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह भाषा न केवल भारतीय संस्कृति और विरासत की पहचान है, बल्कि भारतीय समाज में एकजुटता लाने के साथ-साथ वैश्विक स्तर पर भी प्रभावशाली भूमिका निभा रही है। हिन्दी के विकास और प्रसार का इतिहास इसकी विविधता और समृद्ध परंपरा को दर्शाता है।

2047 तक भारत को पूर्ण विकसित और समृद्धशाली राष्ट्र बनाना है। विकसित भारत का उद्देश्य हर भारतीय के जीवन स्तर में सुधार लाना है, ताकि सभी को समान अवसर और सुविधाएं मिल सकें। यह भारत को एक वैश्विक शक्ति बनाने के लिए आवश्यक है। इसके माध्यम से, हम न केवल आर्थिक और सामाजिक विकास को बढ़ावा देंगे, बल्कि नैतिक और सांस्कृतिक मूल्यों को भी बनाए रखेंगे।

वैश्विक परिदृश्य में भारत की भूमिका

विकसित भारत" एक राष्ट्रव्यापी जागरूकता अभियान है, जो भारत की उपलब्धियों, प्रतिबद्धता और भविष्य की आकांक्षाओं का प्रतीक है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के बीच की दूरी को कम करना, और लोगों में जागरूकता व सशक्तिकरण की भावना को प्रोत्साहित करना है। यह

वंदना परोहा, अर्पणा पांडे

अभियान विकसित भारत की ओर देश की निरंतर प्रगति और विकास यात्रा को साकार रूप में प्रस्तुत करता है।

विकसित भारत 2047 का संकल्प, भारत को एक वैश्विक नेता के रूप में स्थापित करने का प्रयास करता है। यह संकल्प भारत की वैश्विक रणनीतिक स्थिति को मजबूत करेगा और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग में योगदान देगा। इसमें जलवायु परिवर्तन, स्वास्थ्य, शिक्षा और सुरक्षा जैसे वैश्विक मुद्दों पर नेतृत्व भूमिका निभाने की योजना शामिल है।

विकसित भारत का लक्ष्य, भारत को 2047 तक एक विकसित और खुशहाल बनाने का लक्ष्य है। इस लक्ष्य को पाने के लिए भारत को कई महत्वपूर्ण कदम उठाने होने और तेज़ गति से आर्थिक विकास दर प्राप्त करनी होगी।

लक्ष्य प्राप्ति के लिए उठाए गए कदम

विकसित भारत 2047 के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सरकार ने कई पहलें शुरू की हैं। इनमें तेज़ विकास दर, मेक इन इंडिया, बुनियादी ढांचे का विकास, डिजिटल इंडिया, स्वच्छ भारत अभियान, और आत्मनिर्भर भारत अभियान शामिल हैं। इन पहलों का उद्देश्य देश की आर्थिक और सामाजिक संरचना को मजबूत करना है

| भारत विकसित राष्ट्र कैसे बन सकता है जानेंगे, जिनकी वजह से 2047 तक भारत विकसित राष्ट्र कैसे बन सकता है।

कारण विवरण

- आर्थिक विकास भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है। भारत पिछले 10 सालों में बहुत बदला है और आज विश्व की पांचवी बड़ी अर्थव्यवस्था है। भारत 2027 तक विश्व की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था होगा। 'मेक इन इंडिया', स्टार्टअप इण्डिया और 'आत्मनिर्भर भारत' जैसे कार्यक्रमों ने आर्थिक स्थिरता और रोजगार के अवसर बढ़ाए हैं।
- शिक्षा और स्वास्थ्य में सुधार शिक्षा की गुणवत्ता और पहुंच बढ़ी है। आयुष्मान भारत योजना जैसी योजनाओं ने स्वास्थ्य सेवाओं तक व्यापक पहुंच सुनिश्चित की है।
- तकनीकी और वैज्ञानिक प्रगति आईटी, बायोटेक्नोलॉजी, और अंतरिक्ष अनुसंधान में भारत की महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। ISRO के माध्यम से कई अंतरिक्ष मिशन सफलतापूर्वक पूरे किए गए हैं।

- बुनियादी ढांचे का विकास बड़े पैमाने पर निवेश से भारत की परिवहन, ऊर्जा, और संचार प्रणालियाँ मजबूत हुई हैं। 2026 तक $1.5 ट्रिलियन का निवेश किया जाएगा।
- सामाजिक सुधार गरीबी, बेरोजगारी, और असमानता को कम करने के लिए योजनाएं चलाई जा रही हैं। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना और उज्ज्वला योजना जैसे कार्यक्रम महत्वपूर्ण हैं।
- सतत विकास और पर्यावरण संरक्षण नवीकरणीय ऊर्जा में निवेश से पर्यावरणीय स्थिरता बढ़ी है। 2030 तक 450 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता का लक्ष्य है।
- बड़ी वर्कफोर्स युवा और बड़ी वर्कफोर्स देश की अर्थव्यवस्था और नवाचार में महत्वपूर्ण योगदान कर रही है, जिससे भारत की उत्पादकता बढ़ रही है।
- वैश्विक परिदृश्य में भूमिका अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत की सक्रिय भूमिका इसे एक महत्वपूर्ण वैश्विक खिलाड़ी बना रही

शिक्षा और अनुसंधान में सुधार

शिक्षा में सुधार और अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए, नई शिक्षा नीति (NEP) 2020 लागू की गई है। इसका उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना और अनुसंधान के लिए उपयुक्त वातावरण तैयार करना है। इसे प्राप्त करने के लिए, शिक्षा प्रणाली में संरचनात्मक बदलाव और शिक्षकों की गुणवत्ता में सुधार पर ध्यान दिया जा रहा है।

स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार

स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए, 'आयुष्मान भारत' योजना लागू की गई है, जो लाखों भारतीयों को सस्ती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रदान करती है। इसके अलावा, चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं में निवेश को बढ़ावा दिया जा रहा है।

तकनीकी और वैज्ञानिक अनुसंधान को बढ़ावा

विज्ञान और प्रौद्योगिकी में अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने 'मिशन इनोवेशन' और 'स्टार्टअप इंडिया' जैसी पहलें शुरू की हैं। इनसे तकनीकी नवाचार को प्रोत्साहन मिलेगा और भारतीय स्टार्टअप्स को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनने में मदद मिलेगी।